Page Three Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

चट्टान कटिंग का काम आया सवालों के घेरे में

सवाल

बीते सोमवार को चट्टान गिरने से मौके पर दो ट्रक सवार लोगों की मौत हो गई

अब ऐसे हालातों में हादसों का खतरा ज्यादा होने के आसार

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट

पिथौरागढ़। हाइवे पर चट्टान कटिंग का काम अब पूरे तरीके से सवालों के घेरे में आ चुका है। बता दें कि जिस स्थान पर चट्टान भरभराकर टूटकर गिरी है उस जगह पर कुछ दिन पूर्व सड़क की चौड़ाई बनाने के लिए काटी गई चट्टान अब ऐसे हालातों में हादसों को दावत देती रहेगी।

जानकारी के मुताबिक हाल ही में क्षेत्र के लोगों द्वारा इस चट्टान कटिंग को लेकर सवाल खड़े करते हुए कहा था कि ठेकेदार द्वारा चट्टान स्लोब में काटने की जगह सीधे काट दी गई। वही यह चट्टान कभी भी गिर सकती है। बता दें कि बीते सोमवार रात यह हादसा हो गया। जिसमें मौके पर दो ट्रक सवार लोगों की मौत हो गई। अभी यह खतरा अभी टला नही है। यह खतरा आगे भी हो सकता है। जिस हाइवे पर यह हादसा हुआ है उस हाइवे पर दोनों ओर से हल्द्वानी,अल्मोड़ा,टनकपुर, गंगोलीहाट से आने वाहनों की तादात सबसे ज्यादा रहती है। वही इस जगह पर वाहनों में सवारियों की तादात भी सबसे ज्यादा होती है। हाइवे पर सवारियों की संख्या में खासी तादात बढ़ने की संभावना बनने लगी है।

आलवेदर रोड में गुरना के पास इन दिनों चट्टान कटिंग का काम जोरों पर चल रहा है। यह चट्टान इतनी खतरनाक है कि कभी भी ऐसे हालातों में भरभराकर गिरने की हालात में पहुंच चुकी है। ये चट्टाने इस मार्ग पर हादसों की रफ्तार को थामने में ब्रेक लगा पाने में असमर्थ साबित हो सकती है। वही इन कठोर चट्टानों को हटाने में लगी जेसीबी मशीन को भी खासा समय लग रहा है।

सड़क से गुजरने वाले वाहनों में सवार सवारियों की जिंदगी पर ये चट्टाने भरभराकर गिरने का खतरा हमेशा बना रहता है जिससे कई जिंदगियों की जान पर खतरा हमेशा बना रहता है। ऐसे हालातों में कार्यदायी संस्था व ठेकेदार अपनी जिम्मेदारी लेने से हाथ पीछे करने में मशगुल होते देखे जा सकते हैं। ऐसे में हादसों पर बेक लगने के आसार कम ही दिख रहे है।

चट्टान कटिंग के नाम पर आम लोगों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ होना ये कब थमेगा यह एक सवाल ऐसे में खड़े होना लाज्मी है।

न्यूज डायरी

फर्जी खादिम बनकर वसूली करने वालों को किया चिह्नित

संवाददाता रुड़की। फर्जी खादिम बनकर जायरीन से ठगी करने वालों पर दरगाह प्रशासन ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। उनको चिह्नित करते हुए निगरानी बढ़ा दी गई है। वसूली करने और वसूली का प्रयास करने के आरोप पर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। दरगाह पिरान कलियर को लगातार इस बात की शिकायत मिल रही थी कि दरगाह में कुछ व्यक्ति खुद को खादिम बताकर जायरीनों को ठगने का काम कर रहे हैं। दरगाह को मिलने वाले दान को गलत तरीके से खुद लेकर दरगाह को वित्तीय नुकसान पहुंचा रहे हैं। इस पर दरगाह के सीईओ ने दरगाह प्रबंधक को कार्रवाई करने के निर्देश दिए। दरगाह प्रबंधक मोहम्मद हारुन ने बताया कि दरगाह के कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों को निर्देश दिए गए हैं कि इन व्यक्तियों पर निगरानी रखी जाए।

मानकों की अनदेखी से शहर की बत्ती गुल

संवाददाता हरिद्वार। भूमिगत केबिल में मानकों की अनदेखी से शहर की बत्ती गुल हो रही है। स्थिति यह है कि जगह–जगह फाल्ट आने से कई घंटे विद्युत आपूर्ति बाधित हो रही है। इस फाल्ट को ढूंढने में घंटों लग रहे हैं। मंगलवार सुबह साढ़े चार बजे आए फाल्ट के चलते करीब सात घंटे बिजली बाधित रही। इसके बाद निर्माण के लिए सुबह 11 बजे से शाम चार तक शटडाउन लिया गया। इससे जनता को परेशानी का सामना करना पड़ा। लगातार बिजली जाने से गुस्साए व्यापारियों ने प्रदर्शन कर राज्यपाल को ज्ञापन भेजा। उन्होंने भूमिगत विद्युत केबिल बिछाये जाने में मानकों की अनदेखी करने की जांच की मांग की है। महानगर व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुनील सेठी ने इसके लिए अनियोजित रूप से किए जा रहे कार्यों को जिम्मेदार बताया।

सिंचाई पंप चालकों का कार्य बहिष्कार व धरना जारी

संवाददाता भिकियासैंण। श्रम विभाग के मानकों के आधार पर मानदेय दिए जाने की मांग को लेकर लघुडाल खंड के सिंचाई पंप आपरेटरों का यहां तहसील परिसर में चलाया जा रहा धरना जा है। मंगलवार को भी पंप आपरेटरों ने कार्य बहिष्कार कर धरना दिया। नारेबाजी कर अपनी आवाज बुलंद की तथा मांग मानी जाने तक धरना जारी रखने का एलान किया।

सात को होगी विशेष ई लोक अदालत

संवाददाता दन्यां। उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अल्मोड़ा की ओर से सात नवंबर को जनपद न्यायालय और अधीनस्थ न्यायालयों में विशेष ई अदालतों का आयोजन किया जाएगा।

उत्तराखंड बार काउंसिल ने 1200 अधिवक्ताओं सर्टीफिकेट एन्ड प्लेस ऑफ प्रैक्टिस जारी किया

संवाददाता नैनीताल। उत्तराखंड बार काउंसिल ने जांच के बाद 1200 अधिवक्ताओं के प्रमाण पत्रों की जांच के बाद सर्टीफिकेट एन्ड प्लेस ऑफ प्रैक्टिस जारी कर दिया गया। इससे पहले काउंसिल की जांच समिति 1395 व 500 अधिवक्ताओं को प्रैक्टिस का सर्टिफिकेट जारी कर चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने 2015 में आदेश पारित किया था कि देशभर के बार एसोसिएशन अधिवक्ताओं की डिग्री की जांच करें। इस आदेश अनुपालन में उत्तराखंड बार काउंसिल द्वारा 2017 से पहले पंजीकृत समस्त अधिवक्ताओं की डिग्री की जांच को कमेटियां बनाई। कमेटियों द्वारा अधिवक्ताओं के डिग्री के सत्यापन को संबंधित विश्विद्यालय या कॉलेज भेजा जा रहा है।

उत्तराखंड प्रभारी देवेंद्र यादव का भव्य स्वागत, जोश में दिखे कांग्रेस कार्यकर्ता

संवाददाता देहरादून। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उत्तराखंड प्रदेश प्रभारी देवेंद्र यादव का आराघर चौक पर फूलों के साथ भव्य स्वागत हुआ। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह के साथ तमाम विधायक और प्रदेश के अलग–अलग जिलों से आए हुए कार्यकर्ता भी प्रदेश प्रभारी के काफिले के साथ थे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एकजुटता और भीड़ को देखकर देवेंद्र यादव के साथ ही प्रीतम सिंह भी काफी उत्साहित दिखे। इस दौरान अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व विधायक राजकुमार के नेतृत्व में कांग्रेस के एक प्रतिनिधि मंडल और पदाधिकारी वहां मौजूद रहे।

बारिश न होने से किसान मायूस, नहीं हो पा रही गेंहू और मटर की बुवाई

संवाददाता

पुरोला। पुरोला विकासखण्ड के सम्पूर्ण यमुनाघाटी में आजकल नगदी फसल मटर बुवाई बिना बारिश के बाधित हो रही है। लम्बे समय से बारिश नहीं हुई जिस कारण खेतों में नमी नही है जिस कारण खेतों में हल चलाना बड़ा मुश्किल हो गया है।

अगर मौसम का मिजाज कुछ ऐसे ही रहा तो फसल बुआई बहुत देर से होगी जिसकी उत्पादकता और मंडी में बिक्री का भाव प्रभावित होगा जिसका खामियाजा किसानों को आर्थिक रूप में भुगतना पड़ सकता है वहीं किसान अपनी आवश्यकता अनुसार गेंहू की बुआई करते हैं लेकिन सूखे की मार के चलते ना ही गेंहू की बुआई हो पा रही है और न ही मटर की जिसके चलते क्षेत्र के किसान खासे मायूस रहे हैं।

नगदी फसल मटर आर्थिकी का है महत्वपूर्ण जरिया

क्षेत्र के उन्नतशील किसान गुरुदेव सिंह,सरदार सिंह,श्यालिक राम नौटियाल,मोहन सिंह,धनवीर सिंह, मनमोहन,जगत सिंह रावत आदि ने कहा कि पहाड़ों में सिंचाई नहरों की उचित व्यवस्था न होने से मौसमी बारिश पर ही अधिक निर्भरता रहती है। जुलाई माह में भी इस बार अच्छी बारिश नही हुई। जुलाई से अब तक बारिश ही नही होने से खेतों में नमी नही हैं हल चलाने में भी दिक्कतें हो रही हैं। ऐसी स्थिति में गेंहू, मटर का बीज खेतों में डाल भी दें तो बीज अंकुरित होने की बजाय सूखकर खत्म हो जाएगा। क्षेत्र के रामा सिराईं व कमल सिराईं में आलू,टमाटर व मटर किसानों की नगदी फसल ही किसानों की आजीविका का मुख्य साधन है।

किसान संगठन के अध्यक्ष प्रकाश कुमार डबराल ने कहा कि पहाड़ों में किसानों की छोटी खेती–बाड़ी है जो मौसम पर ही निर्भर है। कृषि के क्षेत्र में सरकार को पहाड़ों की विसम भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार व्यवस्थाएं जुटानी चाहिए क्योंकि खेती से लोगों का मोह भंग होने का मुख्य कारण किसानों को उचित दाम व मेहनताना न मिलना है उन्होंने सरकार से कृषि ऋण माफ कर किसानों की फसलों का समर्थन मूल्य निर्धारित करने की मांग की।

जैविक खेती से संवारेंगे पहाड़ की खेती

संवाददाता अल्मोड़ा। कोरोनाकाल में पर्वतीय क्षेत्रों में जैविक खेती को बढ़ावा दिए जाने को नए सिरे से कवायद तेज हो गई है। इसके तहत जहां मोटे अनाज का रकबा बढ़ाया जाएगा, वहीं किसानों को प्रेरित करने के लिए न्याय पंचायत स्तर पर प्रशिक्षण शिविर भी लगाए जाएंगे। कलस्टर विकसित कर सल्ट ब्लॉक की भांति जिले में आदर्श जैविक गांवों के माडल तैयार करने की योजना है। बेशक पर्वतीय क्षेत्रों में तराई व भाबर की तरह अंधाधुंध रासायनिक उर्वरक व कीटनाशकों का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। जिन कृषि प्रधान क्षेत्रों में रासायनिक खादों का उपयोग किया भी जा रहा है, वहां के किसानों को जैविक खेती के लिए प्रेरित करने के लिए कृषि विभाग नए सिरे से मुहिम चलाएगा। इसके लिए नए कलस्टर भी तैयार किए जा रहे हैं। पूरे जनपद के विभिन्न विकासखंडों में अभी तक 450 कलस्टर बनाए जा चुके हैं। उसी आधार पर जैविक विकासखंड विकसित कर उन्हें एक माडल के रूप में अपनाया जाएगा।